

## Padma Bhushan



### **PROF. (DR.) TEJAS MADHUSUDAN PATEL**

Prof. (Dr.) Tejas Madhusudan Patel is a renowned interventional Cardiologist with a global reputation for his groundbreaking work.

2. Born on 17 April, 1963, Prof. (Dr.) Patel is currently serving as the Chairman & Chief Interventional Cardiologist at the Apex Heart Institute, Ahmedabad since August 2012. He has an illustrious career that includes being the former Professor & Head of Cardiology at the Sardar Vallabhbhai Patel Institute of Medical Sciences and Research (SVPIMSR), affiliated with Gujarat University, Ahmedabad from February, 2008 to October, 2022. In 2013, he added to his impressive credentials by becoming a Professor of Medicine (Cardiology) in the Department of Internal Medicine at the prestigious Virginia Commonwealth University Medical Center in Richmond, USA. His contributions also extend to the Mayo Clinic, where he has been a visiting professor in the Department of Cardiology since September, 2017.

3. Prof. (Dr.) Patel's expertise lies in the field of interventional cardiology, where he has gained international acclaim for his innovative work in transradial interventions, robotic PCI, and distant telerobotic PCI. His commitment to spreading these techniques has made a significant impact, reaching countries across Asia, Europe, and the USA. A true educator, he has trained over 8000 cardiologists from India and abroad through TRICO, a prestigious international training course on transradial techniques, which he has conducted for the last 18 years (TRICO 2005 to TRICO 2024). He is also the author of three influential books, including "Patel's Atlas of Transradial Intervention: The Basics," "Patel's Atlas of Transradial Intervention: The Basics & Beyond," and "Patel's Atlas of Complications of Coronary Interventions: Plan-B," all recognized as essential texts in the field.

4. Prof. (Dr.) Patel's contributions to research are equally impressive, with 333 publications to his name, including three textbooks, 24 chapters in various textbooks, 198 original articles in esteemed national and international journals, and 108 abstracts in reputable publications. He is also one of the authors of the "White Paper" on transradial intervention techniques for the Society for Cardiac Angiography and Intervention (SCAI), a leading intervention society in the USA. As the Editor-in-Chief of [www.trico.guru](http://www.trico.guru), a popular educational website on transradial approaches, and a member of the editorial board of the Journal of Invasive Cardiology published in the USA, he is at the forefront of advancing knowledge in his field. Furthermore, he has designed catheters (PAPA catheter and the VASO-catheter) that are used worldwide.

5. Prof. (Dr.) Patel's extensive recognition includes being a Fellow of the Cardiological Society of India (FCSI) since 2005; a Fellow of the American College of Cardiology (FACC) since 2003; a Fellow of the European Society of Cardiology (FESC) since 2005 and a Fellow of the Society for Cardiac Angiography and Intervention (FSCAI) since 2003. He has received numerous prestigious awards, including the Dr. K. M. Sharan Cardiology Excellence Award in 2002; the Dr. B. C. Roy Award from the then Hon'ble President of India in 2008 and the Padma Shri Award in 2015 recognizing his outstanding contributions to the field of Cardiology.

## पद्म भूषण



### प्रो. (डॉ.) तेजस मधुसुदन पटेल

प्रो. (डॉ.) तेजस मधुसुदन पटेल अपने अभूतपूर्व कार्य के लिए समूचे विश्व में सम्मानित एक प्रसिद्ध इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट हैं।

2. 17 अप्रैल, 1963 को जन्मे, प्रो. (डॉ.) पटेल वर्तमान में, अगस्त 2012 से एपेक्स हार्ट इंस्टीट्यूट, अहमदाबाद के चेयरमैन और चीफ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट हैं। उनका करियर शानदार रहा है जिसमें फरवरी, 2008 से अक्टूबर, 2022 तक गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद से संबद्ध सरदार वल्लभभाई पटेल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च (एस.वी. पी.आई.एम.एस.आर.) के पूर्व प्रोफेसर और हृदय रोग विभाग के पूर्व प्रमुख रहना शामिल है। उनकी शानदार उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जुड़ गई, जब वह 2013 में संयुक्त राज्य अमेरिका के रिचमंड स्थित प्रतिष्ठित वर्जीनिया कॉमनवेल्थ यूनिवर्सिटी मेडिकल सेंटर में इंटरनल मेडिसिन विभाग में मेडिसिन (हृदय रोग) के प्रोफेसर बने। उन्होंने मेयो क्लिनिक में भी योगदान दिया है, जहां वह सितंबर, 2017 से हृदय रोग विभाग के विजिटिंग प्रोफेसर हैं।

3. प्रो. (डॉ.) पटेल इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी के विशेषज्ञ हैं। उन्हें ट्रांसरेडियल इंटरवेंसंस, रोबोटिक पीसीआई और डिस्टेंट टेलीरोबोटिक पीसीआई में अपने अभिनव काम के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा प्राप्त हुई है। इन तकनीकों को प्रचारित करने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का महत्वपूर्ण प्रभाव एशिया, यूरोप और अमेरिकी देशों तक पड़ा है। एक सच्चे शिक्षक के रूप में, उन्होंने ट्राइको के माध्यम से भारत और दूसरे देशों के 8000 से अधिक हृदय रोग विशेषज्ञों को प्रशिक्षण प्रदान किया है। ट्राइको ट्रांसरेडियल तकनीकों पर एक प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम है, जिसका संचालन वह पिछले 18 वर्ष से कर रहे हैं (ट्राइको 2005 से ट्राइको 2024)। उन्होंने "पटेल्स एटलस ऑफ ट्रांसरेडियल इंटरवेंशन: द बेसिक्स", "पटेल्स एटलस ऑफ ट्रांसरेडियल इंटरवेंशन: द बेसिक्स एंड बियॉंड" और "पटेल्स एटलस ऑफ कम्प्लिकेशंस ऑफ कोरोनरी इंटरवेंसंस: प्लान-बी" नामक तीन प्रभावशाली पुस्तकें लिखी हैं, जो सभी इस क्षेत्र की मौलिक पुस्तकें मानी जाती हैं।

4. शोध के क्षेत्र में भी प्रो. (डॉ.) पटेल का योगदान उतना ही प्रभावशाली है। उनकी 333 रचनाएं प्रकाशित हुई हैं, जिनमें तीन पाठ्यपुस्तकें, विभिन्न पाठ्यपुस्तकों में 24 अध्याय, प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जर्नल में 198 मौलिक लेख और प्रतिष्ठित प्रकाशनों में 108 एबस्ट्रैक्ट शामिल हैं। वह सोसाइटी फॉर कार्डियक एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशन (एससीएआई), जो अमेरिका में एक प्रमुख इंटरवेंशन सोसाइटी है, के लिए ट्रांसरेडियल इंटरवेंशन तकनीकों पर व्हाइट पेपर के लेखकों में से एक हैं। ट्रांसरेडियल एप्रोच पर एक लोकप्रिय शैक्षिक वेबसाइट, [www.trico.guru](http://www.trico.guru) के मुख्य संपादक के रूप में, और संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रकाशित जर्नल ऑफ इनवेसिव कार्डियोलॉजी के संपादकीय बोर्ड के सदस्य के रूप में, वह अपने क्षेत्र में ज्ञान प्रसार में अग्रणी हैं। इसके अलावा, उन्होंने दुनिया भर में प्रयोग किए जाने वाले कैथेटर (पीएपीए कैथेटर और वीएएसओ-कैथेटर) बनाए हैं।

5. प्रो. (डॉ.) पटेल को व्यापक रूप से सम्मान प्राप्त हुए हैं। वह 2005 से इंडियन कार्डियोलॉजिकल सोसाइटी (एफ.सी. एस.आई.) के फेलो; 2003 से अमेरिकन कॉलेज ऑफ कार्डियोलॉजी (एफ.ए.सी.सी.) के फेलो; 2005 से यूरोपीयन सोसाइटी ऑफ कार्डियोलॉजी (एफ.ई.एस.सी.) के फेलो और 2003 से सोसाइटी फॉर कार्डियाक एंजियोग्राफी एंड इंटरवेंशन (एफ.सी.एस.ए. आई.) के फेलो हैं। हृदय रोग के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान को मान्यता प्रदान करते हुए उन्हें कई प्रतिष्ठित पुरस्कार प्राप्त हुए हैं, जिनमें 2002 में डॉ. के.एम. शरण कार्डियोलॉजी उत्कृष्टता पुरस्कार, 2008 में भारत के तत्कालीन माननीय राष्ट्रपति द्वारा डॉ. बी.सी. रॉय पुरस्कार और 2015 में पद्म श्री पुरस्कार शामिल हैं।